ऑनलाइन अधिगम प्रक्रिया के आयाम और चुनौतियाँ (कोविड–19 के बाद उच्च शिक्षा के संदर्भ में)

डॉ0 (श्रीमती) नीरज
असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान
राजकीय महिला महाविद्यालय कुराली, मैनपुरी
ईमेलः 0205neeraj@gmail.com

सारांश

अधिगम की प्रक्रिया मनुष्य के जन्म के साथ ही प्रारम्भ हो जाती है। नए ज्ञान को अर्जित करना तथा विभिन्न प्रकार के एकत्रित ज्ञान, व्यवहार कौशलों, मूल्यों तथा जानकारियों को इकट्ठा करना अधिगम या सीखना कहलाता है। ऑनलाइन अधिगम शिक्षण की एक विधि है, जिसके अन्तर्गत शिक्षक व छात्रों द्वारा अधिगम की प्रक्रिया को सम्पन्न किया जाता है। ऑनलाइन अधिगम या ऑनलाइन शिक्षण बदलते परिवेश की नई शिक्षा व्यवस्था है जिसमें इन्टरनेट का प्रयोग करके लैपटॉप, कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन, टेबलेट की सहायता से प्राप्त की जाती है। ऑनलाइन अधिगम जिसे आभासी शिक्षा के रूप में भी जाना जाता है। यह सीखने का एक रूप है जो शैक्षिक पाठ्यक्रम और अनुदेशात्मक संसाधनों तक पहुंचने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग करता है। इस प्रकार के अधिगम को छात्र–छात्रायें विश्वविद्यालय के स्थान पर अपने घरों या जहां पर इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध है, वहां आसानी से अधिगम प्राप्त कर सकते हैं।

कोविड महामारी के कारण पूरा विश्व ऑनलाइन साधनों के माध्यम से आपस में जुड़ा था, जिसमें अधिगम प्रक्रिया को भी ऑनलाइन के द्वारा संचालित किया जा रहा था। कोविड महामारी के बाद से भारत में भी उच्च शिक्षा में ऑनलाइन अधिगम की प्रक्रिया पर जोर दिया जा रहा है। जिससे अधिगम की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। कोविड से पहले भारत में ऑनलाइन अधिगम का विस्तार उस रूप में नहीं था जितना की आज दिखाई दे रहा है। इस प्रक्रिया के कुछ सकारात्मक पक्ष हैं और कुछ नकारात्मक। ऑनलाइन अधिगम में छात्र–छात्राओं के धन, समय तथा साधनों की बचत होती है। इस प्रकार की शिक्षा में विद्यार्थी अपनी रूचि व क्षमताओं के आधार पर पाठ्यक्रमों का चुनाव कर सकते हैं। ऑनलाइन अधिगम में विद्यार्थियों को अन्तर्विषयक ज्ञान की प्राप्ति होती है जो उनको भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सहायता प्रदान करेगा। यदि वास्तविकता देखी जाये तो ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी

Reference to this paper should be made as follows:

Received: 08.09.2024
Approved: 27.09.2024

डॉ0 (श्रीमती) नीरज

ऑनलाइन अधिगम प्रक्रिया के आयाम और चुनौतियाँ (कोविड–19 के बाद उच्च शिक्षा के संदर्भ में)

RJPP April 24-Sept.24,
Vol. XXII, No. II,

PP. 166-171
Article No. 22

Online available at:
https://anubooks.com/journal-volume/rjpp-sept-2024-vol-xxii-no2

तकनीकी साधनों की कमी है जिसके कारण विद्यार्थी ऑनलाइन अधिगम में सहभागिता नहीं कर पाता। ऑनलाइन अधिगम की समस्याओं को दूर करने तथा तकनीकी साधनों को बढ़ाने के लिए राज्य व केन्द्र सरकार निरन्तर प्रयासरत हैं। सरकारों के प्रयासों के साथ ही साथ छात्रों व उनके अभिभावकों को भी ऑनलाइन अधिगम में रूचि लेनी होगी। जिससे अधिक से अधिक छात्र–छात्राएँ ऑनलाइन अधिगम प्राप्त करने हेतु प्रेरित हों, तभी इस ऑनलाइन अधिगम प्रक्रिया को सुचारू रूप से लागू किया जा सकता है।

मूल शब्द ऑनलाइन, अधिगम प्रक्रिया, उच्च शिक्षा, आयाम, कोविड महामारी, चुनौतियाँ

सीखना या अधिगम एक व्यापक सतत् एवं जीवन भर चलने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मानव जन्म के साथ ही सीखना प्रारम्भ कर देता है और जीवन भर कुछ न कुछ सीखता ही रहता है। नए ज्ञान को अर्जित करना तथा विभिन्न प्रकार के एकत्रित ज्ञान, व्यवहार कौशलों, मूल्यों तथा जानकारियों को संश्लेषित करना अधिगम या सीखना कहलाता है। अधिगम केवल ज्ञान का एक संग्रह न होकर एक प्रक्रिया है।

ऑनलाइन अधिगम शिक्षा की एक विधि है, जिसके तहत छात्र पूरी तरह से आभासी वातावरण में सीखते हैं। पहली बार 1990 के दशक में इंटरनेट के निर्माण के साथ ऑनलाइन अधिगम शुरू किया गया, जो दूरस्थ शिक्षा के रूप में प्रारम्भ हुआ। ऑनलाइन अधिगम उच्च शिक्षा में सबसे अधिक प्रचलित है, जो विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के छात्रों को एक शैक्षणिक संस्थान और अन्य छात्रों के साथ ऑनलाइन जुड़ने और डिग्री या प्रमाणपत्र प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ाते हुए अपनी गति से लचीले ढंग से अधिगम प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। ऑनलाइन अधिगम एक इंटरनेट आधारित शिक्षण वातावरण को संदर्भित करता है जो विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्र–छात्राओं को एक साथ जोड़कर शिक्षण प्रदान करता है।

शोधपत्र का यह विषय इसलिये चयनित किया गया है क्योंकि कोविड के बाद से ऑनलाइन अधिगम की प्रक्रिया का स्वरूप बहुत विस्तृत हो गया है। कोविड से पहले भी ऑनलाइन अधिगम की प्रक्रिया चल रही थी परन्तु कोविड के समय और उसके पश्चात् ऑनलाइन अधिगम का महत्व अत्यधिक बढ़ गया, इसीलिये हमने इस शीर्षक का चुनाव अपने शोध पत्र हेतु किया, जिससे ऑनलाइन शिक्षण की वास्तविक स्थिति का अध्ययन करके इसके समस्त पहलुओं को समझा जा सकें।

कोविड के समय पूरे विश्व की शिक्षा व्यवस्था प्रभावित थी अर्थात् शिक्षा व्यवस्था का चक्का जाम था। इसीलिये शिक्षा व्यवस्था को नई राह पर लाने का एक मार्ग दिखाई दे रहा था और वह था, ऑनलाइन–अधिगम व शिक्षण प्रक्रिया, परन्तु यदि हम यह समझते हैं कि ऑनलाइन अधिगम व शिक्षण प्रक्रिया से बहुत आसानी से हम अपना निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे तो यह अभी भ्रम है, क्योंकि अभी तक भारत व अन्य विश्व में अधिगम प्रक्रिया कक्षाओं के माध्यम से और आमने–सामने बैठकर ही चल रही थी, लेकिन कोविड की विकट परिस्थितियों के कारण आज सभी प्रकार के अधिगम को ऑनलाइन किये जाने का प्रयास किया जा रहा है। इस हेतु केन्द्र सरकार व राज्यों की सरकारें विभिन्न योजनाएँ चलाकर छात्र–छात्राओं को ऑनलाइन शिक्षण से जोड़ने का पूरा प्रयास कर रही है।

यदि हम उच्च शिक्षा की बात करें तो महामारी कोविड के समय और कोविड के बाद भारत में भी उच्च शिक्षा को पुनर्गतिशील बनाने के लिये ऑनलाइन अधिगम और शिक्षण की प्रक्रिया पर जोर

दिया जा रहा है। जिससे छात्र–छात्राएँ ऑनलाइन अध्ययन से अपने ज्ञान रूपी चक्षुओं को खोल रहे हैं। इस ऑनलाइन अधिगम के लिये छात्र–छात्राओं द्वारा कम्प्यूटर, लैपटॉप, टेबलेट व स्मार्टफोन का प्रयोग बहुतायत रूप से किया जा रहा है, जिससे छात्र–छात्राएँ अपनी इच्छा व रूचि के अनुसार ऑनलाइन कोर्स का चयन करके अपनी शिक्षा पूरी कर रहे हैं।

ऑनलाइन अधिगम को इलेक्ट्रॉनिक लर्निंग (ई–लर्निंग) भी कहा जाता है। यह एक तरह की ऑनलाइन शिक्षा है, जिसमें इंटरनेट के द्वारा डिजिटल संसाधनों का प्रयोग करके सिखाया व प्रशिक्षण दिया जाता है। ऑनलाइन अधिगम के अन्तर्गत छात्र–छात्राएँ घर पर या कहीं भी बैठकर शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। ऑनलाइन अधिगम का प्रयोग कई तरह की प्रक्रिया में किया जा सकता है, जैसे कि अकादमिक शिक्षण कॉर्पोरेट प्रशिक्षण और कौशल विकास पाठ्यक्रमों में।

ऑनलाइन अधिगम प्रक्रिया को भारत की केन्द्र सरकार व राज्यों की सरकारों ने कोविड महामारी के समय से लागू करने का भरसक प्रयास किया है, जिसको सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा छात्र–छात्राओं को स्मार्ट फोन वितरित किये जा रहे हैं जिससे गरीब छात्र–छात्राएँ भी ऑनलाइन शिक्षण से पूरी तरह से जुड़ सकें। नई शिक्षा नीति–2020 जोकि कोविड महामारी के बाद लागू की गई, इसमें छात्र–छात्राओं को ऑनलाइन शिक्षा हेतु बहुत सारे पाठ्यक्रमों की भी व्यवस्था की गयी है। ऑनलाइन अधिगम को लागू करने के सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही पक्ष हमारे सामने उभरकर आते हैं और यही उद्देश्य हमारे शोध पत्र का भी है कि ऑनलाइन अधिगम के प्रत्येक पहलू या आयाम का पूरा अध्ययन किया जाये। उच्च शिक्षा में ऑनलाइन अधिगम प्रक्रिया लागू करने के सकारात्मक व नकारात्मक दोनों पक्ष निम्नवत् हैं–

सकारात्मक पक्ष

1. ऑनलाइन अधिगम व शिक्षण में प्राप्त विविधताएँ बहुत अधिक है।
2. ऑनलाइन अधिगम में शिक्षक से सम्पर्क करने के छात्र–छात्राओं के पास बहुविकल्पीय मार्ग होंगे।
3. ऑनलाइन अधिगम से कम खर्च में अच्छे कोर्स की व्यवस्था की जा सकती है।
4. छात्र–छात्राओं द्वारा ऑनलाइन शिक्षण हेतु रोचक एवं लचीली समय–सारिणी का स्वयं निर्धारण किया जा सकता है।
5. छात्र–छात्राओं को अपने विषय के ज्ञान को बढ़ाने का पूरा अवसर ऑनलाइन अधिगम व शिक्षण में आसानी से प्राप्त हो सकता है।
6. ऑनलाइन अधिगम से कोर्स सामग्री आसानी से प्राप्त हो सकती है।
7. छात्र–छात्राओं की क्षमताओं के अनुसार शिक्षक उपयुक्त अधिगम की व्यवस्था कर सकते हैं।
8. शिक्षक व छात्र–छात्राओं द्वारा अपने आन्तरिक अनुशासन का पूर्ण विकास ऑनलाइन अधिगम के माध्यम से किया जा सकता है।
9. ऑनलाइन अधिगम की प्रक्रिया द्वारा छात्र–छात्राओं के समय व धन दोनों की बचत हो सकती है।
10. ऑनलाइन प्रक्रिया से समूह संचार की सुविधा मिलती है, जिससे छात्र–छात्राओं के मध्य विचारों का आदान–प्रदान आसानी से हो जाता है।

11. ऑनलाइन अधिगम पर्यावरण की दृष्टि से भी उपयुक्त है, क्योंकि यहां जानकारी को किताबों की जगह वैब पर स्टोर किया जाता है।

नकारात्मक पक्ष

1. ऑनलाइन अधिगम छोटे और आमने–सामने के नहीं होते जो छात्र–छात्राओं को अरूचिपूर्ण लग सकते हैं।

2. ऑनलाइन अधिगम में बहुत अधिक कार्य होता है जो समय से छात्र–छात्राओं द्वारा पूरा करना कठिन होगा।

3. ऑनलाइन अधिगम शिक्षण को विद्यार्थियों द्वारा स्वयं को तुरन्त अनुशासित करना सम्भव नहीं होता है।

4. ऑनलाइन अधिगम व शिक्षण व्यवस्था में कक्षाओं की अपेक्षा बहुत अधिक समय व्यय होता है क्योंकि विद्यार्थियों को इंटरनेट पर निर्भर रहना पड़ता है।

5. ऑनलाइन अधिगम के लिये छात्र–छात्राओं के पास साधनों की कमी होती है जैसे लैपटॉप, कम्प्यूटर, टैबलेट व इन्टरनेट कनेक्शन इत्यादि की व्यवस्था करना विद्यार्थियों के लिये कठिन होता है।

6. ग्रामीण क्षेत्र में आज भी ऑनलाइन अधिगम के स्थान पर प्रत्यक्ष अधिगम को ही महत्व दिया जाता है क्योंकि विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों का विश्वास कक्षा अधिगम पर अधिक है।

7. ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को ऑनलाइन अधिगम का बहुत कम ज्ञान होता है जिसके कारण विद्यार्थी उपयुक्त कोर्स का चुनाव नहीं कर पाते हैं।

8. ऑनलाइन अधिगम से छात्र–छात्राएँ डिजिटल तो हो जायेंगे, परन्तु उनका मानसिक व शारीरिक विकास बहुत कम होगा।

9. सरल विषयों को तो छात्र–छात्राएँ ऑनलाइन अधिगम द्वारा सीख सकते हैं लेकिन अधिक कठिन विषयों हेतु ऑनलाइन अधिगम उतना कारगर नहीं है।

इस शोधपत्र के माध्यम से हमारे द्वारा ऑनलाइन अधिगम के सकारात्मक व नकारात्मक दोनों पक्षों के सम्बन्ध में लगभग सभी पहलुओं का अध्ययन किया गया है। जिससे शोधपत्र के विषय के सम्बन्धा में वास्तविक उद्देष्य तक पहुंचा जा सकें। शोधपत्र के उपरोक्त अध्ययन से स्पष्ट होता है कि इस ऑनलाइन अधिगम व शिक्षण–प्रक्रिया की व्यवस्था को पूरी तरह से लागू करने के मार्ग में बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिसका समाधान सरकार और समाज दोनों को मिलकर निकालना होगा।

ऑनलाइन अधिगम प्रक्रिया को लागू करने में आने वाली चुनौतियाँ–

1. सभी महाविद्यालयों में ऑनलाइन अधिगम प्रक्रिया की व्यवस्था करना चुनौतिपूर्ण होगा, क्योंकि अभी तक महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाएँ भी पूरी तरह नहीं हो पायी हैं।

2. ग्रामीण क्षेत्र के छात्र–छात्राओं को कैसे ऑनलाइन अधिगम या कोर्स के लिए प्रेरित करेंगे जबकि उनके पास अपने व्यक्तिगत तकनीकी साधन नहीं है।

3. कोविड महामारी के दौरान बहुत अधिक संख्या में लोग बेरोजगार हुए हैं और व्यावसायियों के व्यवसाय भी बन्द हो गये हैं, तो ऐसी उथल–पुथल की मानसिक स्थिति के साथ अभिभावक कैसे अपने बच्चों के लिये ऑनलाइन अधिगम के बारे में सोच पायेंगे।

4. प्रत्येक व्यवस्था कोविड महामारी के कारण अभी तक अपनी पूर्ण रफ्तार नहीं पकड़ पायी तो ऐसी दशा में आम आदमी कैसे अपने आपको स्थायित्व प्रदान करके ऑनलाइन अधिगम प्रक्रिया के बारे में सोचे। यह एक बहुत बड़ी चुनौती है, जिससे सभी पूरी तरह से बाहर आने का प्रयास कर रहे हैं।

5. सरकार द्वारा उच्च शिक्षा को पूर्ण गति प्रदान करने के लिये सभी सरकारी महाविद्यालयों में दो–दो स्मार्ट क्लास की स्थापना की गयी है जिससे छात्र–छात्राएँ ऑनलाइन अधिगम प्राप्त कर सकें परन्तु छात्र–छात्राओं की बड़ी संख्या को देखते हुए दो क्लास से अधिगम प्राप्त करना भी चुनौतिपूर्ण होगा। इसलिए ऑनलाइन अधिगम हेतु और अधिक साधनों की आवश्यकता है।

6. कोविड महामारी के पश्चात् आज सरकार के पास केवल अधिगम सम्बन्धी चुनौती नहीं है बल्कि प्रत्येक क्षेत्र में सरकार के समक्ष समस्यायें मुँह खोले खड़ी है। जिनका समाधान सरकार को उचित समय अन्तराल पर ही करना होगा।

कोविड महामारी के पश्चात् सरकार व समाज दोनों के समक्ष चुनौतियाँ खड़ी हैं। यदि इन चुनौतियों का समाधान समय से नहीं किया गया तो ऑनलाइन अधिगम व शिक्षण प्रक्रिया को सक्रिय रूप से उच्च शिक्षा में लागू नहीं किया जा सकता, जिसका नुकसान विद्यार्थियों को ही झेलना पड़ेगा।

ऑनलाइन अधिगम व शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावशाली बनाने हेतु सुझाव–

कोविड महामारी के पष्चात् उच्च शिक्षा व्यवसथा में एक ठहराव दिखाई देने लगा है जिसे तेज गति देने की आवश्यकता है, जिससे हमारी उद्देश्यपरक शिक्षा पूरी हो सके। इस हेतु ऑनलाइन अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिये कुछ सुझाव प्रस्तुत हैं–

1. पहला सुझाव है कि समय–समय पर महाविद्यालयों में ऑनलाइन अधिगम प्रक्रिया को समझाने के लिये कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जा सकता है।

2. दूसरा सुझाव यह है कि रोजगारपरक कोर्सो की उपयोगिता से छात्र–छात्राओं को अवगत कराया जाये, जिससे विद्यार्थी अपनी यचि के ऑनलाइन अधिगम कोर्सो में प्रतिभाग कर सकें तथा दूसरे छात्र–छात्राओं को भी रोजगारपरक कोर्सो की जानकारी दे सकें।

3. तीसरा सुझाव है कि छात्र–छात्राओं को मिलने वाली छात्रवृत्ति को ऑनलाइन अधिगम अधिगम के लिये व्यय करने के लिये प्रेरित किया जाये, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के पास आवश्यक तकनीकी साधन उपलब्ध नहीं रहते।

4. चौथा सुझाव है कि नई शिक्षा नीति–2020 के अन्तर्गत वोकेशनल कोर्स की व्यवस्था भी पाठ्यक्रम में की गयी है। अब महाविद्यालय द्वारा इन कोर्सो को ऑनलाइन कराकर छात्र–छात्राओं की अधिगम प्रक्रिया का विस्तार करना चाहिये।

5. पांचवा सुझाव यह है कि समस्त शिक्षकों का भी ऑनलाइन अधिगम होना चाहिए जिससे शिक्षक छात्र–छात्राओं का उचित मार्गदर्शन कर सकें।

6. छठा सुझाव यह है कि इस प्रकार के ऑनलाइन अधिगम से छात्र–छात्राओं को तेजी से पाठ्यक्रम को पूरा करने में मदद मिलती है।

7. सातवा सुझाव है कि ऑनलाइन अधिगम से तुरन्त प्रतिक्रिया मिलती है और छात्रों के बीच समुदाय की भावना भी विकसित होती है। जो एक शिक्षित व सभ्य समाज के लिए आवश्यक है।

इस शोधपत्र के निष्कर्ष में कहा जा सकता है कि कोविड महामारी के पश्चात् उच्च शिक्षा में ऑनलाइन अधिगम प्रक्रिया बढ़ गयी है। अब सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों के द्वारा विद्यार्थियों को ऑनलाइन कार्यक्रमों तथा शिक्षा से जोड़ने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके लिये राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष छात्र–छात्राओं के लिये स्मार्ट मोबाइल का वितरण किया जा रहा है जिससे गरीब व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की ऑनलाइन अधिगम की समस्याओं का समाधान हो सके। विद्यार्थियों की रूचि अब ऑनलाइन अधिगम की ओर अधिक बढ़ रही है, जो सरकार व समाज के लिये एक सफल कदम है।

सन्दर्भ

1. मंगल, एस0के0, मंगल, शुभ्रा, ''अधिगम के लिये मूल्यांकन'', पी0एच0आई0 लर्निंग प्रा0लि0, 2020।
2. दुबे, डॉ0 मनीश, दुबे, डॉ0 विभा, ''अधिगमकर्ता का विकास एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया'', शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
3. मंथन, ''ई–लर्निंग प्रक्रिया'' नवम्बर 2021।
4. इलैक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार।
5. http://www.edu.blog.